

PLANT DESCRIPTION

पौधा का नाम – कोलियस / *Plectranthus scutellarioides*

सामान्य नाम (Common Name) – Coleus, Painted Nettle, Flame Nettle

वनस्पतिक नाम (Botanical Name) – *Plectranthus scutellarioides* (पहले *Coleus blumei* के नाम से जाना जाता था)

कुल (Family) – Lamiaceae (पुदीना कुल)



पौधा का स्वभाव (Nature / Habit)

- यह एक बहुवर्षीय (perennial) शाकीय पौधा है, लेकिन अक्सर इसे एक वर्षीय (annual) सजावटी पौधे के रूप में उगाया जाता है।
- इसकी पत्तियाँ अत्यंत आकर्षक होती हैं — विभिन्न रंगों जैसे हरे, लाल, गुलाबी, पीले, बैंगनी और क्रीम के संयोजन में।
- ऊँचाई – सामान्यतः 30 से 90 सेंटीमीटर तक।
- तना (Stem) – नरम और रसीला (succulent)।
- फूल (Flowers) – छोटे नीले या बैंगनी रंग के, लेकिन पत्तियाँ ही इसका मुख्य आकर्षण हैं।

पौधे की प्रकृति

- यह छाया और आधी धूप वाली जगहों पर अच्छे से बढ़ता है।
- जलवायु – गर्म और आर्द्र वातावरण पसंद करता है।
- देखभाल आसान – नियमित पानी और हल्की खाद देने पर यह तेजी से बढ़ता है।

उपयोग (Uses)

1. सजावटी उपयोग

- बगीचे, घर और ऑफिस की सजावट के लिए लोकप्रिय पौधा।
- इसकी रंग-बिरंगी पत्तियाँ इनडोर और आउटडोर सजावट दोनों के लिए उपयुक्त हैं।
- लैंडस्केप डिजाइन में सीमाओं (borders) और गमलों में लगाया जाता है।

2. पर्यावरणीय उपयोग

- वायु को शुद्ध करने में सहायक।
- कमरे के वातावरण को सुगंधित और ताज़ा बनाता है।

औषधीय उपयोग (Medicinal Uses)

हालांकि कोलियस मुख्यतः सजावटी पौधा है, लेकिन इसके कुछ औषधीय गुण भी ज्ञात हैं, विशेष रूप से इसके कुछ प्रजातियों (जैसे *Coleus forskohlii*) में।

👉 सामान्य *Plectranthus scutellarioides* में पाए जाने वाले औषधीय लाभ –

1. त्वचा रोगों में लाभदायक – इसके रस या लेप को हल्के फोड़े-फुंसी पर लगाया जा सकता है।
2. सूजन और दर्द में राहत – पत्तियों का रस हल्के दर्द या जलन में ठंडक प्रदान करता है।
3. सुगंधित तेलों में उपयोग – इसकी कुछ किस्मों से सुगंधित तेल बनाए जाते हैं जो एरोमाथेरेपी में काम आते हैं।
4. मच्छरों से बचाव – इसकी पत्तियों की गंध से मच्छर दूर रहते हैं।

⚠ ध्यान दें: *Plectranthus scutellarioides* को औषधीय रूप में सीमित मात्रा में ही उपयोग करें।
अत्यधिक सेवन से पेट में परेशानी या एलर्जी हो सकती है।

🌿 धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

- पारंपरिक रूप से दक्षिण भारत में कुछ क्षेत्रों में इसे घर की सौंदर्य और शुभता का प्रतीक माना जाता है।